

Regarding Need to set up a system and frame law to curb superstitious activities in the country- Laid

श्री रमाशंकर विद्यार्थी राजभर (सलेमपुर): मैं सरकार को अवगत कराना चाहता हूं कि देश में अंधविश्वास बढ़ता जा रहा है। जिससे व्यापक रूप से जन - धन की हानि हो रही है। सरकार के पास अंधविश्वास से हो रहे जन-धन की हानि को रोकने के लिए कोई निगरानी तंत्र नहीं है और ना ही अब तक देश में अंधविश्वास फैला कर धन कमाने वालों, अज्ञानता फैलाने वालों पर कार्यवाही के लिए कोई कानून ही बन पाया है। एक समय था जब देश में कुप्रथा थी, देश में सती प्रथा, अस्पृश्यता प्रथा, देवदासी प्रथा, शुद्धिकरण प्रथा तथा नरबलि जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ समय-समय पर आवाज उठी और कानून बने और मानवताओं को नकार कर देश में परिवर्तन हुआ, लेकिन आज और अंधविश्वास फैलाने वाले तंत्र जहां गरीबी अशिक्षा है वहां अंधविश्वास फैलाकर विकास का नाश कर रहे हैं। कोई अपनी जीभ काटता है, कोई बच्चा राड आदि से मारता है तो कोई बलि चढ़ता है। जिस कारण बच्चे- बूढ़े, महिला- पुरुष इस अंधविश्वास का शिकार हो रहे हैं। लेकिन सरकार के पास ना तो कोई सर्वेक्षण है और ना कोई बचाव व जागरूकता के तंत्र है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि अंधविश्वास को देश से मिटाने का तंत्र विकसित करें और कानून बनाएं।